महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

9.	Shastra Vakyarth Training शास्त्रार्थ/ वाक्यार्थ-प्रशिक्षणम्

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vaidic Vishvavidyalay

(मध्यप्रदेश शासन अधिनियम 2006 (15 अगस्त 2008) द्वारा स्थापित)

देवास मार्ग, उज्जैन (मध्यप्रदेश) 456010

E-mail-regpsvvmp@rediffmail.com, Website-www.mpsvvujjain.org

म.पा.सं.वि./कु/2023/2843 दि. 22.03.2023

प्रति

निदेशक
अष्टादशी शोध परियोजना
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

विषय - अष्टादशी शोध परियोजना F.No.CSU/Ashatadashi/-VI/2022-23/27/322 के संदर्भ में

महोदय,

आपके पत्र के माध्यम से हमारे विश्वविद्यालय से प्रेषित परियोजना के चयनित होने की सूचना प्राप्त कर हम अत्यन्त हर्ष का अनुभव कर रहे हैं| आपके पत्रांक संख्या- F.No.CSU/Ashatadashi/-VI/2022-23/27/322 दि. 16.03.2023 के आलोक में विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. तुलसीदास परौहा द्वारा **'शास्त्रार्थ कौशल प्रशिक्षण'** शोध परियोजना पुनरीक्षित करके अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है|

सादर धन्यवाद

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

कुलसचिव

म.पा.सं.वि./कु/2023/2843 दि. 22.03.2023

प्रतिलिपि-

१. कुलपति कार्यालय, महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय, उज्जैन
२. कुल सचिव कार्यालय, महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय, उज्जैन
३. डॉ. तुलसीदास परौहा, प्रधान गवेषक, 'शास्त्रार्थ कौशल प्रशिक्षण' शोध परियोजना, महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय, उज्जैन
४. सम्बंधित पत्रावली, महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय, उज्जैन

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vaidic Vishvavidyalay

देवास मार्ग, उज्जैन (मध्यप्रदेश) ४५६०१०, E-mail-regpsvvmp@rediffmail.com, Website-www.mpsvvujain.org

बैंक खाता विवरण

Bank details:-	
Name of the account holder (Institution)	Maharshi Panini Sanskrit evam vaidic University
Name of the Bank	Bank Of India
Account number	910310210000027
IFSC Code	BKID0009103
PAN/TIN number	

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

FORM NO. ASHTAADASHI - I

CENTRAL SANSKRIT UNIVERSITY
Established by an Act of Parliament
Under the Ministry of Education, Govt. of India
56-57, Institutional Area, Janakpuri, New Delhi-110 058

(Incomplete Proforma shall not be entertained)

Ashtaadashi Project - 2022-23

APPLICATION FORM
FOR FINANCIAL ASSISTANCE UNDER ASHTAADASHI (18 PROJECTS)
FOR SUSTAINING THE GROWTH OF SANSKRIT

Area of the Project	: Summer Course Project-9.2.4
Title of the Project	: शास्त्रार्थ कौशल प्रशिक्षण
1. Name of the organization	: महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
2. Complete postal Address	: महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन, देवास रोड-456010
3. Phone Number	:9423600804
4. Fax Number	: NA
5. Email address	:regpsvvmp@rediffmail.com
6. a. Date of Registration (copy of Registration certificate) in case of NGOs please furnish U.I.D no. and also enclose a copy	: NA
b. Date of Registration at Darpan Portal of NITI Ayoga, Government of India (NGOs & Voluntary Organizations must invariably be Registered with the and submit the proof of the same).	
7. Infrastructure and facilities available	: Yes
8. Major activities in promotion of Sanskrit during the last 03 Years (yearwise) on separate sheet	Yes :
9. Projects for which Financial Assistance is being sought	: NA

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

Following information in respect of each project may be Submitted separately onseparate sheets (in details):

1. **Title of the Project** : शास्त्रार्थ कौशल प्रशिक्षण
2. **Name of the Project Area** : Summer Course Project-9.2.4
3. **Name of the Institution** : महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
4. **Name and designation of the** : डॉ. तुलसीदास परीहा
5. **Principal Investigator (P.I.)** :विभागाध्यक्ष – साहित्य एवं विशिष्ट संस्कृत विभाग
6. **Name and designation of Co Investigator (Co P.I.)**(if any): डॉ. कृष्ण कुमार त्रिपाठी, सहायक प्राध्यापक, विशिष्ट संस्कृत विभाग
7. **Details of the Projects under taken by the P.I. (completed or ongoing)** :- NA

S.No.	Name of the Project	Duration of the Project	Funding Agency	Total Budget	Present Status (Completed/ongoing)

8. **Details of the Projects under taken by the Co P.I. (if any)(completed or ongoing)** :- NA

S.No.	Name of the Project	Duration of the Project	Funding Agency	Total Budget	Present Status (Completed/ongoing)

9. **Brief introduction about Project** :
Summary of the Project/research proposal
(about 500 words) in separate sheet may be enclosed

भारतीय ज्ञान परम्परा की चिंतन प्रक्रिया सर्वदा प्रवाहमान रही है| भारतीय मनीषा की यह चिंतन धरा कभी एक सिद्धान्त को पूर्ण मानकर उस पर स्थिर नही रही अपितु ऋषि प्रणीत आद्य सिद्धांत को परखने और उसे प्रमाणित करने के लिए नवीन अनुसंधान के लिए सदा ही प्रयत्नशील रही है| ऋषियों ने कहा है इसलिए यह सिद्धान्त सर्वमान्य है, भारतीय मनीषा इसे स्वीकार नहीं करती है| जब तक प्रतिष्ठित विद्वानों के समक्ष उस सिद्धांत को व्यापक और खुली चर्चा के रूप में प्रमाणित नहीं कर दिया जाता तब तक वह सर्वमान्य नहीं होता था| मान्य होने के उपरान्त भी उस सिद्धांत की चिंतन प्रक्रिया समाप्त नहीं हो अपितु सर्वदा नए पक्षों के साथ चर्चा के लिए प्रस्तुत भी रहती थी| भारतीय शास्त्र परम्परा में चर्चा की इसी प्रक्रिया अथवा पद्धति को 'शास्त्रार्थ' कहा गया है, जिसमें पूर्वपक्ष और उत्तर पक्ष (सिद्धांतपक्ष) के रूप में खण्डन-मण्डन द्वारा सिद्धांत की स्थापना की जाती है| प्राचीन काल में बड़ी-बड़ी सभाओं में शास्त्रार्थ हुआ करते थे जहां विश्व भर के प्रतिष्ठित विद्वान् अपनी विद्वत्ता का प्रदर्शन करते थे| शास्त्रार्थ में विजयी विद्वान् के सिद्धांत को सर्वमान्य स्वीकार किया जाता था| महाराजा जनक के यहाँ की शास्त्रार्थ सभा का उद्धरण अनेकों शास्त्रों में हमें प्राप्त होता है| मंडन मिश्र और आद्य शंकराचार्य का काशी में हुआ विशिष्ट शास्त्रार्थ भी लोकप्रसिद्ध है|

भारतवर्ष में वैदिक काल से लेकर अद्यावधि तत्त्वनिर्णय की 'शास्त्रार्थ पद्धति' सतत प्रवाहमान है, किन्तु कालचक्र के प्रभाव

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

से इसमें निरंतर न्यूनता होती जा रही है| शास्त्रों के विद्वानों की कमी तो आज भी नहीं है किन्तु शास्त्रार्थी विद्वान् गणना मात्र ही बचे है| न्याय, व्याकरण, वेदांत, मीमांसा को छोड़ दें तो अन्य शास्त्रों में शास्त्रार्थ सभाओं हेतु शास्त्रार्थी विद्वानों का उपलब्ध होना कठिन हो गया है| केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय व अन्य संस्थाओं द्वारा आयोजित शास्त्रार्थ स्पर्धा में भी अत्यन्त अल्प मात्रा में छात्रों की प्रतिभागिता होती है| शास्त्रार्थ परम्परा में निरन्तर होती जा रही इस न्यूनता का मूल कारण है वर्तमान आधुनिक शिक्षण पद्धति, जो शास्त्रीय शिक्षण परम्परा के अनुकूल नहीं है| यदि शिक्षण पद्धति में 'शास्त्रार्थ प्रशिक्षण' का भी समावेश रहता तो वर्तमान में ऐसी समस्या ही उत्पन्न नहीं होती| अत: इसी को ध्यान में रखते हुए **"शास्त्रार्थ कौशल प्रशिक्षण"** नामक परियोजना प्रस्तावित की जा रही है|

प्रस्तावित परियोजना भारतीय ज्ञान परम्परा की अमूल्य निधि 'शास्त्रार्थ पद्धति' को अक्षुण्ण, संरक्षण, सम्वर्धन व लोकप्रिय बनाने में सहायक होगी| प्रस्तावित परियोजना में न केवल एक विषय अपितु परंपरागत सभी शास्त्रीय विषयों को समाहित किया जायेगा, जिसमें विषय विशेषज्ञ शास्त्रार्थी विद्वानों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा| इस परियोजना की मुख्य विशेषता यह है कि 'शास्त्रार्थ कौशल' का विशेष प्रशिक्षण और अभ्यास कराया जायेगा जिससे प्रशिक्षण प्राप्त व्यक्ति किसी भी विषय पर शास्त्रार्थ करने में सक्षम हो सके| न्याय दर्शन में शास्त्रार्थ में प्रयुक्त होने वाली विधियों को सोलह पदार्थों के अंतर्गत निरुपित किया गया है, जो शास्त्रार्थ पद्धति में अपना विशिष्ट स्थान रखती है| अपने आप में यह ऐतिहासिक प्रशिक्षण होगा, जो भविष्य में शास्त्रार्थ प्रशिक्षण सामग्री को पाठयक्रम में समाहित करने की दिशा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा| प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरान्त परीक्षण हेतु एक विशिष्ट शास्त्रार्थ सभा का भी आयोजन किया जायेगा|

10. Objectives of the Project (Point wise)

The broad Aim & Objectives of the Project emphasizing thrust area.

१. शास्त्रार्थ कौशल प्रशिक्षण दस दिवसीय होगा, जो आवासीय रहेगा|
२. प्रस्तुत परियोजना भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित है|
३. प्रस्तुत परियोजना पूर्ण रूप से शास्त्रीय पक्ष पर आधारित है, जिसकी भाषा संस्कृत होगी|
४. भारतीय शास्त्रार्थ परम्परा का संरक्षण व सम्वर्धन करने में सहायक होगी|
५. शास्त्रार्थ पद्धति या कौशल का प्रशिक्षण इसकी विशिष्टता है|
६. विशिष्ट शास्त्रार्थी विद्वानों द्वारा प्रशिक्षण कराया जायेगा|
७. प्रशिक्षण में २५ से ४० की उम्र का कोई भी परम्परागत शास्त्रीय अध्येता प्रतिभाग कर सकता है|
८. प्रतिभागियों की अधिकतम संख्या 50 रहेगी|
९. यथा संभव प्रशिक्षण की (आडियो/वीडियो रिकार्डिंग) करायी जाएगी|
१०. प्रशिक्षण के उपरान्त शास्त्रार्थ सभा का आयोजन भी किया जायेगा|

11. Proposed outcome of Research Project.

1. प्रस्तुत परियोजना प्रशिक्षणात्मक है|
2. इस परियोजना द्वारा हमें शास्त्रार्थी विद्वान् प्राप्त होगें|
3. शास्त्रार्थ परंपरा संरक्षित होगी|
4. साथ ही साथ शास्त्रार्थ प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का भी निर्माण होगा जो भविष्य में प्रशिक्षण हेतु सहायक होगा|
5. वृहत् शास्त्रार्थ सभा के आयोजन में उपयोगी होगी|
6. प्रशिक्षण की (आडियो/वीडियो रिकार्डिंग) उपलब्ध होगी|

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

12. Methodology

(a) Coverage (please attach separate sheet giving the serial no. 11 (a))- attachd

(b) Data Collection/analysis or any other activity (please specify) **(please attach separate sheet giving the serial no. 11 (b))** - NA

13. Proposed Budget :

This should indicate the cost of personnel, travel (no. of days and places with justification), data processing, stationery and printing, books, journals, equipment, contingency and any other items.

Non-Recurring grants (equipment, Books & Journals etc):-

S.No.	Item	Amount Proposed	Justification
i.	Equipment (in case of extreme necessity, further Multi Functional Printer	NA	NA
ii.	Books & Journals	NA	NA
iii.	Others	NA	NA
	Total	NA	NA

Recurring grants (to be given on a separate sheet):-

S.No.	Item	Amount Proposed Yearly			Total
		Ist Year	IInd yr.	IIIrd yr.	
i.	Remuneration for Project fellow	48,000/=	NA	NA	48,000/=
ii.	Remuneration for Data Entry Operator	NA	NA	NA	00
iii.	TA/DA for (Experts & participants) & Project meeting	3,00,000/=	NA	NA	3,00,000/=
iv.	Miscellaneous/expenses	20,000/=	NA	NA	20,000/=
v.	Seminar/workshop (if approved by University)	NA	NA	NA	00
vi.	Hiring Service (other experts if necessary) (Videographer & Photographer)	30,000/=	NA	NA	30,000/=
vii.	Special Needs	NA	NA	NA	00
viii.	Stationary etc.	22,000/=	NA	NA	22,000/=
ix.	Contingency (Fooding & Lodging (Experts & participants)	4,00,000/=	NA	NA	4,00,000/=
x.	Honorarium	1,50,000 /=	NA	NA	1,50,000 /=
xi.	Overhead 5% of recurring grant	30,000/=	NA	NA	30,000/=
	Total	**10,00,000/=**			**10,00,000/=**

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

Total Budget

S.No.	Item	Amount Proposed Yearly			Total
		Ist Year	IInd yr.	IIIrd yr.	
i.	Non-Recurring grants	NA	NA	NA	NA
ii.	Recurring grants	10,00,000/=	NA	NA	10,00,000/=
	Grand Total	10,00,000/=	NA	NA	10,00,000/=

(*) In case of Financial Assistance for honorarium to scholarship/ research associates and offices taff salary, the details of the same may be enclosed.

14. How many pages of book outcome, if applicable : 100 to 150 Pages

15. Time Budgeting

Year/Month	Activities	Budget (Item wise)
1st month	प्रशिक्षण की तैयारी	2,00,000/=
2nd month	प्रशिक्षण व शास्त्रार्थ सभा	7,00,000/=
3rd month	शास्त्रार्थ प्रशिक्षण पाठ्यक्रम व सामग्री निर्माण	1,00,000/=

b. a. Detailed Bio-data of the P.I. along with the List of publications (please enclose)
b. Experience in the proposed area : enclosed

a. List of publication / experience in Project work of Co-Investigator (details may be attached) : enclosed

21-3-2023

Date & Signature of Co-PI Investigator

Signature of Principal Investigator
विभागाध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

Signature of forwarding authority/Head of the Institution alongwith Seal
(Name, Designation and signature of the Authorized Signatory)

(Recommendation of the State Govt./Registrar concerned University)

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

FORM NO. ASHTAADASHI - II

NAME OF THE INTITUTION____ महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय _____

UNDERTAKING/DECLARATION TO BE SUBMITTED BY THE PRINCIPAL INVESTIGATOR/ CO-PRINCIPALINVESTIGATOR OF THE PROJECT AND HEAD OF THE INSTITUTIONS.

Sub :- Undertaking/Declaration for Acceptance of the Project.

APPROVED PROJECT TITLE ..... शास्त्रार्थ कौशल प्रशिक्षण .....

Code of the Project.....**9.2.4**..... Budget .....**10,00,000/=**.....

1. Name of the Principal Investigator..... डॉ. तुलसीदास परौहा.....
2. Name of the Co-Principal Investigator (if applicable) ..... डॉ. कृष्ण कुमार त्रिपाठी .....

I/We Prof./Dr./Sri **...डॉ. तुलसीदास परौहा...&** .... डॉ. कृष्ण कुमार त्रिपाठी...working as Professor/Associate Professor/ Assistant Professor/Contract Teacher/Guest Teacher in ... महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय ..... do hereby declare as under: -

1. That I/We will complete the above titled Project within the prescribed period and as per approved guidelines and recommendations of the Expert Committee.
2. I/We received a sum of Rupees ...10,00,000/=./- (Rupees .....Ten lakhas Only) on account of Ashtaadashi Project through PFMS/E-Transfer in our Institution account number ...**910310210000027**... and IFSC Code.....**BKID00019023**..... from the Central Sanskrit University, Delhi.
3. I/We will utilize the grant for the purpose for which it is sanctioned and released.
4. I/We will ensure to follow the Guidelines of Ashtaadashi Scheme.
5. I/We will abide by the rules and provisions made by the University from time to time with regard to the Central Schemes.
6. I/We will ensure to abide by the conditions of the grants in aid by the target dates, specified in the letter of sanction.
7. I/We will ensure not to divert the grants or entrust execution of the scheme concerned to other Heads/Projects/Institution (s) or organization (s).
8. If a part of the grant remains unspent or unutilized or the progress of the project is not satisfactory, I/We agree to refund the unspent balance along with interest @ 10% per annum unless it is agreed to be carried forward.

Signed:
Name: शैलेन्द्र कुमार त्रिपाठी
(Co-Principal Investigator)
(If applicable)

Signed: 21-3-2023
Name: डॉ. तुलसीदास परौहा
(Principal Investigator)

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

विशिष्ट संस्कृत विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

Signature of forwarding authority/Head of the Institution alongwith Seal
(Name, Designation and Signature of the Authorized Signatory)

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

CSU/Ashtadashi-9.2.4- 2022-23

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नव देहली की "संस्कृत संवर्धन योजना" के अंतर्गत 'अष्टादशी' परियोजना के बिन्दु क्रमांक-9.2.4 के अनुसार **Summer course Project** के अन्तर्गत **'शास्त्रार्थ कौशल प्रशिक्षणम्'** विषयक परियोजना के ऑनलाइन प्रस्तुतीकरण हेतु **Interface Meeting 12 March, 2023 under Ashtadashi 2022-23,** उपरान्त आपके पत्र संख्या **CSU/Asgatadshi-VI/2022-23/28/322** के अनुसार परियोजना को पुनः विचार कर प्रस्तुत करने का निर्देश प्राप्त हुआ था, तदनुसार संशोधित परियोजना की वित्त योजना अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित है।

Table A- Salaries:.

S. No.	Type of facility	Duration	Remuneration	Total
1	Research Assistant-1	3months	16,000/month	1 x3 x16,000= 48,000/=
2	Subject Experts-6	5 days maximum one experts	5000/Per Day	6x 5x5000= 1,50,000 /=
				TOTAL= 1,98, 000/= (one lakh ninety eight Thousands)

Table B- Equipment/Facilities:

S. No.	Type of facility	Estimated Cost
1	Video & Photography	30,000/=
		TOTAL= 30, 000/= (thirty Thousands)

Table c- Contingencies:

S. No.	Type of facility	Estimated Cost
1	Stationary, etc.	22,000/=
3	TA/DA (Subjects Experts)	60,000/=
4	TA (participants)	2,40,000/=
5	Fooding (Experts & participants)	3,50,000/=
6	Lodging (Experts & participants)	50,000/=
7	Miscellaneous/expenses	20,000/=
8	overhead expenditure Etc.	30,000/=
		TOTAL= 7,72, 000/= (seven lakh seventy two Thousands)

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

Total:

S. No	Stipulated Heads	Tables	Estimated Cost
1	Human Resource	A	1,98, 000/=
2	Equipment/Facilities:	B	30, 000/=
3	Contingencies:	C	7,72, 000/=

GRAND TOTAL

= Recurring (A) + Non Recurring (B+C)

= (1.98) Lakhas + (.30+7.72)Lakhs =(1.98)+(8.02)Lakhs

=10.00 Lakhs

(Ten Lakhs only)[1]

प्रधान गवेषक

21-3-2023

डॉ. तुलसीदास परौहा

विभागाध्यक्ष- साहित्य एवं विशिष्ट संस्कृत विभाग

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

Email- tulasidas1971@gamil.com

Mob.- 9479479986

सह-गवेषक

21-3-2023

डॉ. कृष्ण कुमार त्रिपाठी

सहायक प्राध्यापक- विशिष्ट संस्कृत विभाग

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

[1]Unused amount in the mentioned heads may be used in another stipulated heads.

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः,देहली

अष्टादशी परियोजना - 9.2.4

(Summer Course Project)

"शास्त्रार्थ कौशल प्रशिक्षण"

-: Revised on :-

Interface Meeting on 12 March, 2023 under Ashtadashi 2022-23, as per given instructions by the expert.

सह-गवेषक
डॉ. कृष्ण कुमार त्रिपाठी
सहायक प्राध्यापक- विशिष्ट संस्कृत विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

प्रधान गवेषक
डॉ. तुलसीदास परौहा
विभागाध्यक्ष- साहित्य एवं विशिष्ट संस्कृत
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

1. Overview of the project :

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के द्वारा केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नव देहली की "संस्कृत संवर्धन योजना" के अंतर्गत 'अष्टादशी' परियोजना के बिन्दु क्रमांक-९.२.४ (Summer Course Project) के अंतर्गत **"शास्त्रार्थ कौशल प्रशिक्षण'** विषयक परियोजना प्रस्तावित की जा रही है| प्रस्तुत परियोजना के द्वारा भारतीय ज्ञान परम्परा तत्त्व निर्णय के महत्त्वपूर्ण अंग शास्त्रार्थ परम्परा कौशल का प्रशिक्षण किया जाना प्रस्तावित है|

प्रस्तुत परियोजना के ऑनलाइन प्रस्तुतीकरण हेतु **Interface Meeting 12 March, 2023 under Ashtadashi 2022-23,** में उपस्थित विषय विशेषज्ञों द्वारा परियोजना को पुनः विचार कर प्रस्तुत करने का निर्देश प्राप्त हुआ था, तदनुसार संशोधित परियोजना अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित है।

2. Justification :

भारतीय ज्ञान परम्परा की चिंतन प्रक्रिया सर्वदा प्रवाहमान रही है| भारतीय मनीषा की यह चिंतन धरा कभी एक सिद्धान्त को पूर्ण मानकर उस पर स्थिर नही रही अपितु ऋषि प्रणीत आद्य सिद्धांत को परखने और उसे प्रमाणित करने के लिए नवीन अनुसंधान के लिए सदा ही प्रयत्नशील रही है| ऋषियों ने कहा है इसलिए यह सिद्धान्त सर्वमान्य है, भारतीय मनीषा इसे स्वीकार नहीं करती है| जब तक प्रतिष्ठित विद्वानों के समक्ष उस सिद्धांत को व्यापक और खुली चर्चा के रूप में प्रमाणित नहीं कर दिया जाता तब तक वह सर्वमान्य नहीं होता था| मान्य होने के उपरान्त भी उस सिद्धांत की चिंतन प्रक्रिया समाप्त नहीं हो अपितु सर्वदा नए पक्षों के साथ चर्चा के लिए प्रस्तुत भी रहती थी| भारतीय शास्त्र परम्परा में चर्चा की इसी प्रक्रिया अथवा पद्धति को 'शास्त्रार्थ' कहा गया है, जिसमें पूर्वपक्ष और उत्तर पक्ष (सिद्धांतपक्ष) के रूप में खण्डन-मण्डन द्वारा सिद्धांत की स्थापना की जाती है| प्राचीन काल में बड़ी-बड़ी सभाओं में शास्त्रार्थ हुआ करते थे जहां विश्व भर के प्रतिष्ठित विद्वान् अपनी विद्वत्ता का प्रदर्शन करते थे| शास्त्रार्थ में विजयी विद्वान् के सिद्धांत को सर्वमान्य स्वीकार किया जाता था| महाराजा जनक के यहाँ की शास्त्रार्थ सभा का उद्धरण अनेकों शास्त्रों में हमें प्राप्त होता है| मंडन मिश्र और आद्य शंकराचार्य का काशी में हुआ विशिष्ट शास्त्रार्थ भी लोकप्रसिद्ध है|

भारतवर्ष में वैदिक काल से लेकर अद्यावधि तत्त्वनिर्णय की 'शास्त्रार्थ पद्धति' सतत प्रवाहमान है, किन्तु कालचक्र के प्रभाव से इसमें निरंतर न्यूनता होती जा रही है| शास्त्रों के विद्वानों की कमी तो आज भी नहीं है किन्तु शास्त्रार्थी विद्वान् गणना मात्र ही बचे है| न्याय, व्याकरण, वेदांत, मीमांसा को छोड़ दें तो अन्य शास्त्रों में शास्त्रार्थ सभाओं हेतु शास्त्रार्थी विद्वानों का उपलब्ध होना कठिन हो गया है| केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय व अन्य संस्थाओं द्वारा आयोजित शास्त्रार्थ स्पर्धा में भी अत्यन्त अल्प मात्रा में छात्रों की प्रतिभागिता होती है| शास्त्रार्थ परम्परा में निरन्तर होती जा रही इस न्यूनता का मूल कारण है वर्तमान आधुनिक शिक्षण पद्धति, जो शास्त्रीय शिक्षण परम्परा के अनुकूल नहीं है| यदि शिक्षण पद्धति में 'शास्त्रार्थ प्रशिक्षण' का भी समावेश रहता तो वर्तमान में ऐसी समस्या ही उत्पन्न नहीं होती| अत: इसी को ध्यान में रखते हुए **"शास्त्रार्थ कौशल**

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

प्रशिक्षण" नामक परियोजना प्रस्तावित की जा रही है|

प्रस्तावित परियोजना भारतीय ज्ञान परम्परा की अमूल्य निधि 'शास्त्रार्थ पद्धति' को अक्षुण्ण, संरक्षण, सम्वर्धन व लोकप्रिय बनाने में सहायक होगी| प्रस्तावित परियोजना में न केवल एक विषय अपितु परंपरागत सभी शास्त्रीय विषयों को समाहित किया जायेगा, जिसमें विषय विशेषज्ञ शास्त्रार्थी विद्वानों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा| इस परियोजना की मुख्य विशेषता यह है कि 'शास्त्रार्थ कौशल' का विशेष प्रशिक्षण और अभ्यास कराया जायेगा जिससे प्रशिक्षण प्राप्त व्यक्ति किसी भी विषय पर शास्त्रार्थ करने में सक्षम हो सके| न्याय दर्शन में शास्त्रार्थ में प्रयुक्त होने वाली विधियों को सोलह पदार्थों के अंतर्गत निरुपित किया गया है, जो शास्त्रार्थ पद्धति में अपना विशिष्ट स्थान रखती है| अपने आप में यह ऐतिहासिक प्रशिक्षण होगा, जो भविष्य में शास्त्रार्थ प्रशिक्षण सामग्री को पाठयक्रम में समाहित करने की दिशा में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा| प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरान्त परीक्षण हेतु एक विशिष्ट शास्त्रार्थ सभा का भी आयोजन किया जायेगा|

3. Objectives:-

१. प्रस्तुत परियोजना भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित है|
२. प्रस्तुत परियोजना पूर्ण रूपेण शास्त्रीय पक्ष पर आधारित है, जिसकी भाषा संस्कृत होगी|
३. भारतीय शास्त्रार्थ परम्परा का संरक्षण व सम्वर्धन करने में सहायक होगी|
४. शास्त्रार्थ पद्धति या कौशल का प्रशिक्षण इसकी विशिष्टता है|
५. विशिष्ट शास्त्रार्थी विद्वानों द्वारा प्रशिक्षण कराया जायेगा|
६. प्रशिक्षण में २५ से ४० की उम्र का कोई भी परम्परागत शास्त्रीय अध्येता प्रतिभाग कर सकता है|
७. प्रतिभागियों की अधिकतम संख्या 50 रहेगी|
८. यथा संभव प्रशिक्षण की (आडियो/वीडियो रिकार्डिंग) करायी जाएगी|
९. प्रशिक्षण के उपरान्त शास्त्रार्थ सभा का आयोजन भी किया जायेगा|
१०. प्रस्तुत परियोजना का प्रशिक्षण आवासीय रहेगा|
११. प्रस्तुत शास्त्रार्थ प्रशिक्षण परियोजना तीन मास में पूर्ण की जायेगी| यदि भविष्य में अनुदान प्राप्त होता रहा तो प्रत्येक वर्ष एक (तीन वर्ष तक) प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कराया जा सकता है|

4. Outputs and outcomes of the proposal :

1. प्रस्तुत परियोजना प्रशिक्षणात्मक है|
2. इस परियोजना द्वारा हमें शास्त्रार्थी विद्वान् प्राप्त होगें|
3. शास्त्रार्थ परंपरा संरक्षित होगी|

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

4. साथ ही साथ शास्त्रार्थ प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का भी निर्माण होगा जो भविष्य में प्रशिक्षण हेतु सहायक होगा|
5. वृहत् शास्त्रार्थ सभा का आयोजन होगा|
6. प्रशिक्षण की (आडियो/वीडियो रिकार्डिंग) उपलब्ध होगी|

5. Project team expertise :

परियोजना के संचालन हेतु एक समिति का गठन किया जायेगा, जो इस प्रशिक्षण कार्य का समन्वयन करेगी| शास्त्रार्थ प्रशिक्षण परियोजना में उच्च स्तरीय समिति के सुझावों के अनुसार विशिष्ट विद्वानों को प्रशिक्षण हेतु आमंत्रित किया जायेगा| प्रतिभागियों का भी चयन समिति के निर्णय अनुसार जायेगा|

6. Timelines:

- शास्त्रार्थ प्रशिक्षण की संपूर्ण परियोजना के क्रियान्वयन में कुल तीन महीने लगेंगे|
- प्रथम माह में शास्त्रार्थ प्रशिक्षण के प्रतिभागियों व विषय विशेषज्ञों के चयन के साथ आयोजन सम्बंधित सभी प्रक्रिया पूर्ण की जायेगी|
- अग्रिम माह में प्रशिक्षण कार्य किया जायेगा, जिसमें १०दिवस की प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जाएगी|
- प्रथम दस दिवसीय कार्यशाला में शास्त्रार्थ प्राविधि का प्रशिक्षण कराया जायेगा|
- व्याकरण, साहित्य, न्याय, वेदान्त मीमांसा शास्त्र पर पृथक-पृथक् शास्त्रों पर केन्द्रित दस-दिवसीय शास्त्रार्थ प्रशिक्षण कार्यशालायें आयोजित की जाएँगी|
- तीसरे माह में शास्त्रार्थ सभा का आयोजन व शास्त्रार्थ प्रशिक्षण पाठ्यक्रम निर्माण किया जायेगा|
- अंत में सम्पूर्ण परियोजना का आय-व्यय व कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करके परियोजना को पूर्ण किया जायेगा|
- अग्रिम वर्षों में अनुदान प्राप्त होने पर प्रत्येक वर्ष इस प्रशिक्षण का आयोजन कराया जा सकता है|

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

Maharshi Panini Sanskrit Evam Vedic Vishwavidyalaya

देवासमार्ग, उज्जैन, (मध्यप्रदेश). 456010

Website:- www.mpsvv.ac.in

7. विषय विशेषज्ञ-

'शास्त्रार्थ कौशल प्रशिक्षण' विषयक परियोजना में प्रशिक्षण देने वाले विशिष्ट विद्वानों की प्रारम्भिक सूची अधोलिखित है-

क्रमांक	विशेषज्ञ नाम	स्थान	विषय
1	प्रो. प्रदीप पाण्डेय	भोपाल	व्याकरण
2	प्रो. राजाराम शुक्ल	वाराणसी	न्याय
3	पद्मभूषण प्रो. वशिष्ठ त्रिपाठी	वाराणसी	न्याय
4	डॉ. ब्रजभूषण ओझा	वाराणसी	व्याकरण
5	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय	भोपाल	साहित्य
6	प्रो. कमलाकान्त त्रिपाठी	वाराणसी	मीमांसा
7	प्रो. सदाशिव द्विवेदी	वाराणसी	साहित्य

नोट- विद्वानों के नाम व संख्या में परिस्थिति के अनुरूप परिवर्तन संभावित है| उद्घाटन व समापन समारोह के अतिथियों के नाम इसमें समाहित नहीं हैं|

CSU/Ashtadashi-9.2.4- 2022-23

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नव देहली की "संस्कृत संवर्धन योजना" के अंतर्गत 'अष्टादशी' परियोजना के बिन्दु क्रमांक-9.2.4 के अनुसार **Summer course Project** के अन्तर्गत **'शास्त्रार्थ कौशल प्रशिक्षणम्'** विषयक परियोजना के ऑनलाइन प्रस्तुतीकरण हेतु **Interface Meeting 12 March, 2023 under Ashtadashi 2022-**

REGISTRAR
MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA
UJJAIN (M.P.)